चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5.8.22	9	7-8

हिसार। मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, सतीश कुमार व अन्य।

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : कुलपति

■ राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच नहीं आने दे। यह विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहराया या लगाया जाता रहा है। अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है।

तिरंगा के जनक को दी गई श्रद्धांजलि

कुलपति ने कहा कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते है, उसके जनक पिंगली वेंकैया को याद करने की जरूरत है। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान

इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्यवक्ता सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व तथा गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने अतिथियों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.8.22	5	7-8

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : कुलपति

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 3 अगस्त (ब्यूरो): किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं। उन्होंने जनक पिंगली वेंकैया को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	4.8.22	5	1-2

पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस पर व्याख्यान

हिसार में कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ है उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए, ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.8.22	5	5-6

तिरंगा के सम्मान के लिए रहें तत्पर गरिमा पर न आने दें आंच : कांबोज

एचएयू में आयोजित गोष्ठी में मौजूद कुलपति प्रो.बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे।

यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है

राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर व्याख्यान आयोजित

और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वैंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	4.8.22	5	2-5

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक, जगाता है देशभक्ति की भावना : प्रो. काम्बोज

राष्ट्रीय ध्वज के जनक श्री पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर व्याख्यान आयोजित

हिसार, 3 अगस्त (विरेंद्र वर्मा) : किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहराया या लगाया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे के इतिहास को जाने कि कितनी कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिला है। उन्हें अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखना चाहिए।

तिरंगा के जनक को दी श्रद्धांजलि

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

हर घर पहुंचाएं तिरंगा

उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ है उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान

इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक श्री पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी श्री सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.8.22	5	7-8

एचएयू और अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिकों की सलाह

मॉनसून में गन्ने की फसल की देखभाल जरूरी, अधिक वर्षा होने पर पानी निकाल दें

भास्कर न्यूज | हिसार

अगस्त माह के मॉनसूनी सीजन में गन्ने की फसल की देखभाल जरूरी है। किसान गन्ने की अधिक पैदावार पाने के लिए अधिक वर्षा होने पर पानी को भी खेत से निकाल देना चाहिए। हिसार के एचएयू और अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को टिप्स दे रहे हैं। एचएयू कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज के अनुसार, जरा सी सावधानी से अधिक पैदावार पाई जा सकती है। उन्होंने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अलग से 12 वैज्ञानिकों की ड्यूटियां लगाई है।

बीआर काम्बोज

प्रति एकड़ 25 किलो यूरिया डालें किसान

- यदि मानसून की शुरुआत के बाद शुष्क मौसम होता है तो मानसून पूर्व (8-10 दिन) अनुसूची के अनुसार सिंचाई जारी रखें।
- यदि सिंचाई का पानी सीमित हो तो वैकल्पिक खूड़ों में सिंचाई करें।
- भारी वर्षा के चलते जल निकासी के बाद 25 किलो यूरिया प्रति एकड़ की दर से डालें।

रोगों से बचाव को परजीवी के अंडे छोड़ें

- अगस्त में तराई बेधक की रोकथाम के लिए 10 दिन के अंतर में ट्राइकोग्रामा काइलोनिस परजीवी के 20 हजार अण्डे प्रति एकड़ की दर से छोड़ें। ▪ जड़ बेधक के नियंत्रण के लिए 8 कि.ग्रा. क्विनलफॉस प्रति एकड़ खूड़ों के साथ-साथ डालें व हल्की सिंचाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.8.22	2	1-4

जन्मदिवस • राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया की याद में कार्यक्रम में बोले वीसी

तिरंगा देश की पहचान और गरिमा का प्रतीक, जगाता है देशभक्ति की भावना

सिटी रिपोर्टर • किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर फहराया या लगाया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है।

श्रद्धांजलि : भुलाया नहीं जा सकता उनका योगदान

वीसी ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

हर घर पहुंचाएं तिरंगा

वीसी ने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्त्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ है उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ. छोर	3.8.2022	--	--

राष्ट्रीय ध्वज देश के मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता हैः कुलपति

हिसार/03 अगस्त / रिपोर्टर

किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहराया या लगाया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे के इतिहास को जाने कि कितनी कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिला है। उन्हें अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखना चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक पिंगली वैंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ हैं, उन्हें झंडा अवश्य मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें। इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वैंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	3.8.2022	--	--

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक : प्रो. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे।

यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष भवनों पर ही फहराया या लगाया जाता रहा है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे के इतिहास को जाने कि कितनी कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिला है। उन्हें अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखना चाहिए।

तिरंगा के जनक को दी श्रद्धांजलि : कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वेंकैया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान : इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक श्री पिंगली वेंकैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	3.8.2022	--	--

राष्ट्रीय ध्वज देश की पहचान व गरिमा का प्रतीक, जगाता है देशभक्ति की भावना : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। किसी भी राष्ट्र का राष्ट्रीय ध्वज उसकी पहचान व गरिमा का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान के लिए तत्पर रहे और इसकी गरिमा पर कभी आंच न आने दे। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा अभी तक तिरंगे के साथ हमारा संबंध व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसको विशेष मौकों पर ही फहराया व लगाया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक करना, तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध स्थापित करना और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना है। उन्होंने कहा भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे तिरंगे के इतिहास को जानें कि कितनी कुर्बानियों व कठिन प्रयासों के बाद हमें अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराने का अवसर मिला है। उन्हें अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखना चाहिए।

तिरंगे के जनक को दी श्रद्धांजलि

कुलपति ने कहा कि यह बहुत उपयुक्त क्षण है कि जिस तिरंगे को लहराता देखकर देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, जो देश की एकता का प्रतीक है और जिसकी आन-बान-शान के लिए देश के जवान अपनी जान भी कुर्बान कर देते हैं, उसके जनक श्री पिंगली वैंकेया को याद किया जाए। उन्होंने इस स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि दी और कहा उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

हर घर पहुंचाएं तिरंगा

उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से तिरंगा हर घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके महत्व के बारे जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ऐसे व्यक्ति जो झंडा खरीदने में असमर्थ है उन्हें झंडा अवश्य मुहैया करवाया जाना चाहिए ताकि वे भी इस मुहिम से जुड़ सकें।

राष्ट्रीय ध्वज के जनक की स्मृति में व्याख्यान

इस अवसर पर देश के राष्ट्रीय ध्वज के जनक श्री पिंगली वैंकेया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता व बुद्धिजीवी श्री सतीश कुमार ने तिरंगे के इतिहास, महत्व व गरिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।